साप्ताहिक विच्छेदित पाठ्यक्रम 2023-24						
CLASS - 11 SUBJECT - ECONOMICS						
माह	सप्ताह	पाठ का नाम	पाठ का उपखंड	कालांश	अधिगम प्रतिफल	अभ्युक्ति
जून	1 & 2	सांख्यिकी का परिचय	अर्थशास्त्र क्या ?	1	· अर्थशास्त्र की विषय वस्तु के बारे में जानता है। · सांख्यिकी के अर्थ, क्षेत्र तथा अर्थशास्त्र में इसके महत्व के बारे में जानता है।	4 कालांश
			सांख्यिकी का अर्थ	1		
			सांख्यिकी का क्षेत्र	1		
			सांख्यिकी का महत्व	1		
	3	आँकड़ों का संग्रह	आँकड़ा संग्रह के उद्देश्य और आँकड़ा के स्रोत	1	· आँकड़ा संग्रह के उद्देश्य और स्रोत के बारे में जानता है। · प्राथमिक आँकड़ा संग्रह करने की विभिन्न विधियों की व्याख्या करता है। · जनगणना और प्रतिदर्श विधि में अंतर करता है। · प्रतिदर्श तैयार करने की विधियों के बारे में जानता है। · भारत मे आँकड़ा संग्रह करने वाली संस्थाओं के बारे में ज्ञान रखता है।	5 कालांश
			प्राथमिक आँकड़ा संग्रह करने की विधियाँ	1		
			जनगणना और प्रतिदर्श विधि	1		
			भारत की जनगणना और NSSO	1		
			प्रतिचयन और अप्रतिचयन त्रुटियाँ	1		
	4	आँकड़ों का संगठन	आँकड़ों का संगठन - अर्थ और वर्गीकरण	1	· आँकड़ों के संगठन के बारे में जानता है। · कच्चे आँकड़ों का वर्गीकरण करता हैं।	
			चर - अर्थ और प्रकार बारंबारता वितरण - अर्थ , संबंधित संकल्पना	1		5 कालांश
			बारंबारता वितरण कैसे तैयार करें?	1		
			बारंबारता सारणी , द्विचर बारंबारता	1		
			पुनरावृति	1		
	5	आँकड़ों के प्रस्तुतीकरण	प्रस्तुतीकरण - अर्थ और प्रकार	1	· आँकड़ों के प्रस्तुतीकरण की विभिन्न विधियों के बारे जानता है। · आँकड़ों को विभिन्न रूपों में प्रस्तुत करता है।	
			आँकड़ों का पाठ-विषयक प्रस्तुतीकरण	1		
			सारणीकरण - सारणी की विशेषताएं	1		
			दंडारेख	2		

			वृत्त चार्ट (Pie Diagram)	1		
			आयत चित्र, बारंबारता बहुभुज, बारंबारता वक्र	1		
			तोरण	1		
			अंकगणितीय रेखाचित्र	1		
	1 & 2		पुनरावृति	1		10 कालांश
		केन्द्रीय प्रवृत्ति की माप	औसत - अर्थ और विशेषताएँ	1	· आँकड़ों के संक्षिप्तीकरण की आवश्यकता को समझता है। · विभिन्न प्रकार के औसतों के बीच अंतर स्पष्ट करता है। · विभिन्न प्रकार के औसतों की गणना करता है। · आँकड़ों के किसी समुच्चय से अर्थपूर्ण निष्कर्ष निकलता है। · परिस्थिति के अनुसार उपयुक्त औसत का चयन करता है।	
			समांतर माध्य की गणना	2		
जुलाई	3		भारित समांतर माध्य	1		
			समांतर माध्य के गुण, दोष और विशेषताएँ	1		
			मध्यिका - अर्थ, गुण-दोष, मध्यिका की गणना- विविक्त श्रृंखला	1		
			मध्यिका की गणना- सतत श्रृंखला	1		
			चतुर्थक, शतमक	1		
			बहुलक - अर्थ ,गुण, दोष, बहुलक की गणना - विविक्त श्रृंखला	1		
			बहुलक की गणना - सतत श्रृंखला	1		
			माध्य, मध्यिका और बहुलक में संबंध और सापेक्षिक स्थिति, श्रेष्ठ औसत	1		
			पुनरावृति	1		
	4 & 6					
		परिक्षेपण की माप	परिक्षेपण - अर्थ और महत्व	1	· विद्यार्थी परिक्षेपण के अर्थ और महत्व को जानता है। · परिक्षेपण के विभिन्न मापों को समझता है। · विभिन्न प्रकार के परिक्षेपण की मापों की गणना करता है।	
			परास तथा परास गुणांक	1		
			चतुर्थक विचलन - अर्थ और गणना (असमूहित आँकड़ा से)	1		
			चतुर्थक विचलन की गणना - समूहित आँकड़ा, चतुर्थक विचलन गुणांक	1		
	1		माध्य विचलन - अर्थ, गुण-धर्म	1		12 कालांश

अगस्त	2		समांतर माध्य से माध्य विचलन की गणना - असमुहित आँकड़ा	1		
			समांतर माध्य से माध्य विचलन की गणना - समुहित आँकड़ा	1		
			मध्यिका से माध्य विचलन की गणना - असमुहित आँकड़ा	1		
			मध्यिका से माध्य विचलन की गणना - असमुहित आँकड़ा	1		
			माध्य विचलन गुणांक	1		
	3		मानक विचलन - अर्थ, गुण, दोष	1		
			मानक विचलन की गणना-असमूहित आँकड़ा	1		
			मानक विचलन की गणना-समूहित आँकड़ा	1		
			विचरण गुणांक, लॉरेंज-वक्र	1		14 कालांश
		सहसंबंध	सहसंबंध की परिभाषा ,प्रकार	1	· सहसंबंध के अर्थ को परिभाषित करता है। · दो चरों के बीच संबंध के स्वरूप को समझता है। · सहसंबंध के विभिन्न मापों की गणना करता है। · सहसंबंध की कोटि और दिशा का विश्लेषण करता है।	
	4		सहसंबंध मापने की विधियाँ - प्रकीर्ण आरेख	1		
			कार्ल पियर्सन का सहसंबंध गुणांक - परिभाषा , गुण	1		
			सहसंबंध गुणांक की गणना -प्रत्यक्ष विधि	1		
			सहसंबंध गुणांक की गणना- लघुरीति	1		
			स्पीयरमैन का कोटि सहसंबंध की गणना - जब कोटि दी हुई है तथा जब कोटि नहीं दी हुई है	1		
	5		स्पीयरमैन का कोटि सहसंबंध की गणना - जब कोटियों की पुनरावृति हो	1		7 कालांश
					· सूचकांक को परिभाषित करता है। · सूचकांक की रचना करता है। · सूचकांक का प्रयोग करता है।	
		सूचकांक	सूचकांक की परिभाषा, महत्व	1		
			सूचकांक की रचना - समूहित विधि	1		
	1		भारित विधि - लैस्पियरे और पाशे	1		
			मूल्यानुपातों की माध्य विधि	1		

			उपभोक्ता कीमत सूचकांक, थोक कीमत सूचकांक	1	· सूचकांक की सीमाओं की व्याख्या करता है।	
			औद्योगिक उत्पादन सूचकांक, संवेदी सूचकांक	1		
			सूचकांक की रचना मे मुद्दे , अर्थशास्त्र में सूचकांक का महत्व	1		
			पुनरावृति	1		8 कालांश
	2	सांख्यिकीय विधियों का उपयोग	परियोजना कार्य - अर्थ, महत्त्व	1	· परियोजना कार्य के विभिन्न चरणों के बारे में जानता है।	
सितंबर	3		परियोजना के चरण	1	· परियोजना कार्य में विभिन्न सांख्यिकीय यंत्रों का प्रयोग करना जानता है। · किसी आर्थिक मुद्दे पर परियोजना कार्य कर सकता है।	
			आर्थिक मुद्दों से संबंधित किसी एक मुद्दा पर परियोजना कार्य	1		3 कालांश
खंड - 2 : भारतीय अर्थव्यवस्था का विकास						
		स्वतंत्रता की पूर्वसंध्या पर भारतीय अर्थव्यवस्था	औपनिवेशिक काल के अंतर्गत निम्न स्तरीय आर्थिक विकास	1	· वर्ष 1947 में भारतीय अर्थव्यवस्था की दशा के बारें में व्याख्या करता है। · भारतीय अर्थव्यवस्था के पिछड़ेपन के कारणों क बारे में जानता है।	
			कृषि क्षेत्रक	1		
			औद्योगिक क्षेत्रक	1		
			विदेशी व्यापार	1		
	4		जनांकिकीय परिस्थिति	1		
			व्यावसायिक संरचना	1		
			आधारिक संरचना	1		7 कालांश
		भारतीय अर्थव्यवस्था (1950-1990)	आर्थिक प्रणाली के प्रकार	1	· आर्थिक योजना के बारे में जानता है। · भारत की पंचवर्षीय योजना के कालक्रम को जानता है।	
			योजना क्या है?	1		
	5		पंचवर्षीय योजना के लक्ष्य	1		

			भारत मे पंचवर्षीय योजना का कालक्रम	1	· योजना काल में सरकार की नीतियों का अर्थव्यवस्था में पड़ने वाले प्रभाव को समझता है।	
			योजना काल (1950-90) में कृषि	2		
			योजना काल(1950-90) में उद्योग	1		
अक्टूबर	1		योजना काल (1950-90) में विदेशी व्यापार	1		8 कालांश
	2	आर्थिक सुधार -1991 (उदारीकरण, निजीकरण और वैश्वीकरण)	नई आर्थिक नीति - पृष्ठभूमि, स्थायित्वकारी उपाय, संरचनात्मक उपाय	1	· नई आर्थिक नीति की पृष्ठभूमि के बारे में जानकारी रखता है। · सुधार नीतियों को आरंभ किए जाने की प्रक्रिया को समझता है। · वैश्वीकरण की प्रक्रिया औ भारत के लिए इसके निहितार्थ को जानता है। · विभिन्न क्षेत्रकों पर सुधार प्रक्रिया के प्रभावों की व्याख्या करता है।	
			उदारीकरण - अर्थ, उद्देश्य	1		
			उदारीकरण - औद्योगिक क्षेत्र	1		
			उदारीकरण - वित्तीय क्षेत्र	1		
			उदारीकरण - विदेशी व्यापार क्षेत्र	1		
			निजीकरण - अर्थ, निजीकरण के तरीके	1		
			सार्वजनिक उद्यम नीतियाँ - नवरत्न, महारत्न	1		
अक्टूबर			वैश्वीकरण - क्या, क्यों, कैसे	1		
			विश्व व्यापार संगठन - गठन और कार्य	1		
			भारत में नई आर्थिक नीतियों का प्रभाव	1		10 कालांश
	3		निर्धनता क्या है?	1	· निर्धनता रेखा की अवधारणा को समझता है। · अपने समुदाय मे रहने वाले निर्धनों की पहचान करता है। · निर्धनता के कारणों की व्याख्या करता है। · भारत मे विभिन्न राज्यों मे विद्यमान निर्धनों की संख्या से परिचित है। · 4. निर्धनता दूर करने के उपायों पर चर्चा करता है।	
			निर्धनता रेखा - अर्थ और वर्गीकरण	1		
			भारत में निर्धनों की संख्या (अंतर्राजीय तुलना)	1		
	4		निर्धनता के कारण	1		
	5		निर्धनता निवारण नीतियाँ और कार्यक्रम	1		6 कालांश
	5		निर्धनता निवारण कार्यक्रम की समीक्षा	1		
					.	
		भारत में	मानव पूँजी - अर्थ और स्रोत	1	· मानव पूंजी के अर्थ और स्रोत के बारे में जानकारी	

		मानव-पूंजी निर्माण	भौतिक पूँजी और मानव पूँजी	1	रखता है। · आर्थिक संवृद्धि में मानव पूंजी की भूमिका की व्याख्या करता है। · भारत मे मानव पूँजी की स्थिति से अवगत है। · शिक्षा पर सार्वजनिक व्यय की आवश्यकता को समझता है।	
			मानव पूँजी और आर्थिक संवृद्धि	1		
			मानव पूँजी और मानव विकास	1		
			भारत में मानव पूँजी निर्माण की स्थिति	1		
	1		शिक्षा पर सार्वजनिक व्यय , भविष्य की संभावना	1		6 कालांश
		ग्रामीण विकास	ग्रामीण विकास - अर्थ और आवश्यकता	1	· ग्रामीण विकास तथा उससे जुड़े मुद्दे को समझता है · ग्रामीण क्षेत्रकों में साख की आवश्यकता और स्रोत के बारे में जानकारी रखता है। · ग्रामीण विकास में कृषि विपणन की भूमिका को समझता है। · आजीविका की स्थायित्व के लिए उत्पादक गतिविधियों की विविधीकरण के महत्त्व को समझता है। · धारणीय विकास मे जैविक कृषि की महत्ता के बारे में चर्चा करता है।	
नवंबर			ग्रामीण क्षेत्रों में साख और विपणन, सहकारी बैंक	1		
	2		कृषि विपणन व्यवस्था	1		
	5		उत्पादक गतिविधियों का विविधीकरण - पशुपालन , मत्स्य पालन और बागवानी	2		
			जैविक कृषि - आज की आवश्यकता	1		6 कालांश
		रोजगार	श्रमिक और रोजगार	1	· रोजगार से संबंधित विभिन्न पहलुओं के बारे में समझता है। · विभिन्न क्षेत्रकों की आर्थिक गतिविधियों में पुरुष और महिलाओं की भागीदारी के स्वरूप की	
			लोगों की रोजगार में भागीदारी	1		
	1		स्वनियोजित, नियत मजदूर , नियमित वेतनभोगी मजदूर	1		

			भारत में क्षेत्रकवार रोजगार की स्थिति	1	जानकारी रखता है। · रोजगार सृजन के लिए सरकारी उपायों का मूल्यांकन करता है।	
			संवृद्धि और परिवर्तनशील रोजगार संरचना	1		
			भारतीय श्रम बल का अनौपचारीकरण	1		
			बेरोजगारी- अर्थ, प्रकार	1		
दिसंबर	2		पुनरावृति	1		8 कालांश
		आधारिक संरचना	आधारिक संरचना - अर्थ और महत्व	1	· आर्थिक विकास में आधारिक संरचना की भूमिका के बारे में जानकारी रखता है। · सामाजिक और आर्थिक आधारिक संरचना के क्षेत्र में भारत की चुनौतियों की समझ रखता है। · ऊर्जा और स्वास्थ्य क्षेत्रकों की समस्याओं और संभावनाओं की जानकारी रखता है। · ऊर्जा की भूमिका और स्रोत की जानकारी रखता है। · भारत में स्वास्थ्य की आधारिक संरचना के बारे में जानकारी रखता है।	
	3		भारत में आधारिक संरचना की स्थिति - ऊर्जा	3		
	4		भारत में आधारिक संरचना की स्थिति - स्वास्थ्य	3		8 कालांश
		पर्यावरण और धारणीय विकास	पर्यावरण : परिभाषा और कार्य	1	· पर्यावरण की अवधारणा को समझता है। · पर्यावरण की क्षति और संसाधन अपक्षय के कारणों और परिणामों का विश्लेषण करता है। · पर्यावरण के मुद्दों को धारणीय विकास के व्यापक संदर्भ से जोड़कर विश्लेषण करता है। · पर्यावरण से संबंधित भारत की चुनौतियों की समझ रखता है।	
			ओज़ोन अपक्षय , वैश्विक उष्णता	1		
			भारत में पर्यावरण की स्थिति	1		
			प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड - कार्य	1		
			धारणीय विकास - अर्थ और आवश्यकता	1		
			धारणीय विकास की रणनीतियाँ	2		7 कालांश
			पुनरावृति			

जनवरी	1	भारत और उसके पड़ोसी देशों के तुलनात्मक विकास अनुभव	विकास पथ - एक चित्रांकन	1	· भारत और इसके पड़ोसी देशों के बीच आर्थिक और मानव विकास के सूचकों की तुलनात्मक प्रवृतियों को समझता है। · विकास की वर्तमान स्थिति तक पहुँचने के लिए भारत और इसके पड़ोसी देश चीन तथा पाकिस्तान के द्वारा अपनाए गए नीतियों का मूल्यांकन करता है	6 कालांश
			जनांकिकीय संकेतक	1		
			सकल घरेलू उत्पाद एवं क्षेत्रक	1		
			मानव विकास के संकेतक	1		
			विकास नीतियाँ - एक मूल्यांकन	1		
			पुनरावृति	1		
जनवरी	पुनरावृति					
फरवरी	पुनरावृति					